

### Khatra Adibasi Mahavidyalaya

Khatra, Bankura, West Bengal

### Department of Education

Academic Activities (2019-2020)



#### **Academic Activities of the Session 2019-2020**

Academic Activity	Date
A Project on School Activity Survey	YES





# KHATRA ADIBASI MAHAVIDYALAYA (Affiliated to The Bankura University)

#### A Project Work on School Activity Survey

NAME OF THE STUDENT: ARCHANA MAHATA

**COLLEGE ROLL: 1130** 

UID NO: 17361202006

REG NO: BKU/01167 OF 2017-18

SESSION: 2019-20

MOBILE NO: 9002952559

Signature of the Teacher
Department of Education
Khatra Adibasi Mahavidyalaya



Archana Mchata Signature of the Student अठग

विक्रमिकाब्र नागुर्डिक अनुसामी वकिः अण्यात्रणाक रेमाप्यन २०० विद्यालय विक्रिक

ख्रिनीकक्षित्र भाष्टियन त्र ह - एक । अकल्ब ভবিষ্যুত্ত বিদ্যালয়- শিক্ষক- হিজ্ঞবে আন্তা- দায়িত্ব Cस्रब २ सि प्रिक सिंहिन भाषिष्ठ मूर्न ११४९ परिपालग्न अन्रकालना अन्यात कार्र कार्रीणग्न CABUA- GAZE- CAZE ब्राम्य नियम् नियम् आत्रि जन्न । जन्म जन्मा भी न भार्मिक । अकर् कि कि ब्रिक्ट - कि ब्रिट - मात्र व - ६०१९ निर्वारिक्तिव अर्थाश्वन म्लायन (e.c.E) क्वर भाइत- विकारीएक आक्राप्टिक धार्का दिक आष्ट्रम, ८२४० जासूब श्रावाद, आयुर रामार्क वाड्मरियां वर्ग निर्म कर् नाश्चर- । ब्याद्वेकाश्चित- श्वास्त्रक- श्वरिक- श्रीक-

पियुल्य विक्र कर्मस्त्रीय अल्डिंग विक्र नियम विक्र नियम विक्र नियम विक्र नियम कर्मस्त्रीय कर्मस्त्र क्र स्वाम कर्मस्त्र क्र स्वाम कर्मस्त्र क्र स्वाम कर्मस्त्र क्र स्वाम कर्मस्त्र विक्र करियाम्य विक्र कर्मस्त्र विक्र कर्मस्त्र विक्र कर्मस्त्र विक्र कर्मस्त्र विक्र कर्मस्त्र विक्र विक्र कर्मस्त्र विक्र विक्र कर्मस्त्र विक्र विक्र कर्मस्त्र विक्र विक्र विक्र कर्मस्त्र विक्र वि

लाई- प्रमायिति। ज्याय न्यूकर् स्थाय-१९ १ क्या डी न्या न्या न्या न्या न्या यावक- । आसाइ निय प्रमालखाइ - धर्डक्य कार्यावली अंधित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वि प्रिणालग्न- ध्यान- चिक्कक- विपालश्चर-कान अल्किता- यमन किस्से के या-काराकारि अयितिकः या एकमितिविक्य निप्रालसिकः लिटक- कियान - CRC यय याम - लायाय-नर्मायक्षकि = २ए - भारति । भर्यस्किलाइ -শरिएक्किए- जाब्र- जाबाब-कार्यावलीब-जिन्न निर्मार्ट व्यव व्यारिकालि व व्यक्त क्राय- । धरे- कार्डित- प्रमा- कार्वा- हुए। अश्रीस्था- व्यर्ड- अर्बेशका- लामार्थ-लड्जा अर स्था ट्या हरे- पिरक- विपिन 40/25=/

रिष्ठ ए कार्यायली हु न्यादी कारक श्रील कार्याउलीक अभाजनातुना विक्रिष्ठ क्या रमा । (अर्जीय रिकीयरीय किट्न भेष्ट्र मिन्। जिलिक तिष्य भीतका ऐल्लिकिन जालका जन्याकी कार्यावली आब्राह्न- अर्बिहिन- कही- व्यक्षाक्त-। अर्रिश्चक = अधार्यक्रिवारी - रिक्री - रिक्री - रिक्री न्नाननीय - जी- जाक ज्यान भारत - ज्यारेगान प्णान र्नेट्-सम- कार्यायलीत- प्रावशित-本るる-1

THE POST TO STEP - 15 NO STEP -

### STEMPENT

विद्यालसङ्ग व्यक्तन विषक्षक उद्यावना कर्न सर्द मालावना साकारक प्रक्रि कार्यकिश्विषठ्न- ब्रिप्छिल- अञ्चासा- श्रेष्ट्र-क्राए- रख- । ८२२- वेहाबह-कार्यावली-लाहारि यमन करिट उर्व वर्षाव जिन्हरू या लाखाय- यडकश्रीय-व्यायद्वाति-। व्यायद्वातिक भाषात्र-प्रशिष्ट कार्यायलीय वहाययान कृत्रत्व उर्यात- किन्धिकर वारी यहैता यहैता जाएडि नर् अरे वायाक र्या रियारिय प्रवार अकि जिलाई जिलाई । जिलाही व 9-120g= 100g- 100g- 200-

## संगाप्तय नियुर्ग नियुर्ग नियुर्ग नियुर्ग

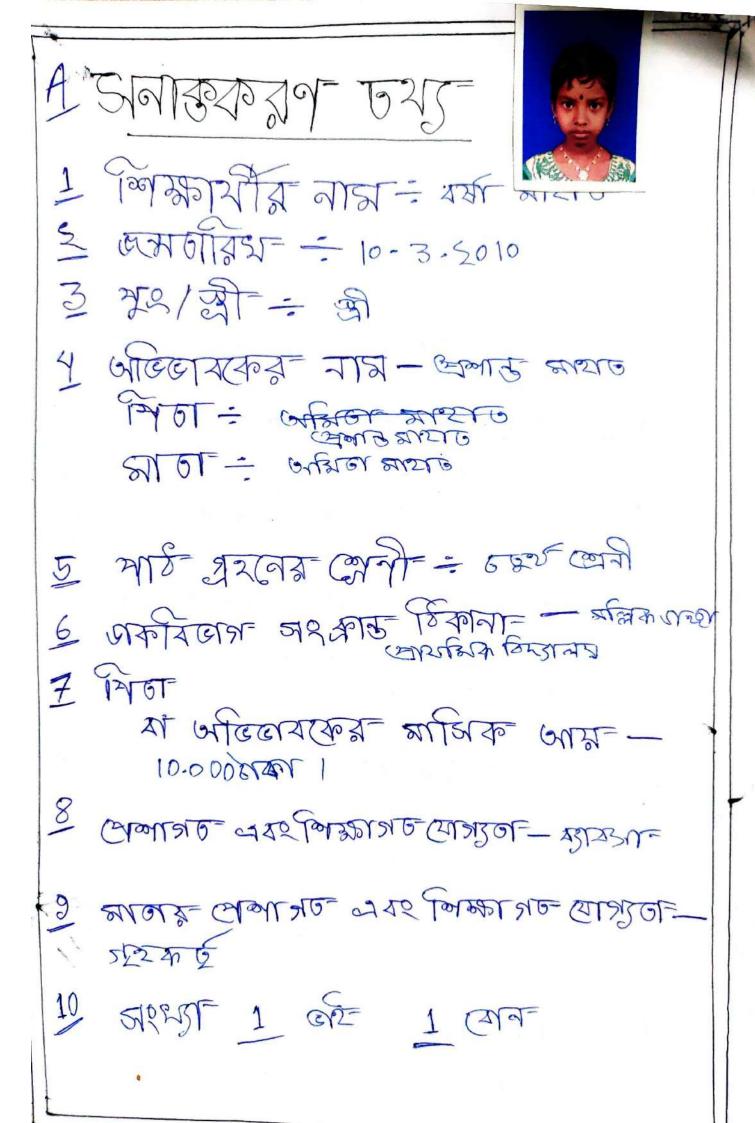
भागापा कलाएड अपूक्णन विष्ठा भागापानी विष्ठा कि जाता है। अपूक्णन प्रमाणानी अप्राचित्र के अप्रचार के अप्राचित्र के अप्राचित्र के अप्राचित्र के अप्राचित्र के अप्रचार के अप्राचित्र के अप्राचित्र के अप्राचित्र के अप्रचार के

विद्वालयाणिङक कर्राक्षेत्र मन्त्री वर्षेत्रन भग्नायलिणाइ यह उष्ट्रायाका भीया हु । अरे स्वक्राय पद्मन आप्र अरे क्राम कार्यायली प्रश्निश्च कर्रा उद्मान स्मानिया यह अर्थित कर्रा उदा स्मानिया यह उप्रायक रूप्रेक अरे प्रायक्रिक क्रा रूप्रेक अरे प्रायक्रिक क्रा रूप्रेक अरे प्रायक्रिक क्रा रूप्रेक अरे प्रायक्रिक क्रा

दिनीय- कर्या- यहाल- यह मूठिन- कर्यात ज्यां यथयो। य यथयो। य यथयो। याक्षित लाइक्टा त्यार लाइन यदन-कारी- विकारी(दिय- टाकि आरी- किल्याक- तिक्षिति व- माकति-भाष्ट्रकृटि विलाह्य यादा यहात्रनेपाणाड-त्ययाग्यक् अम्बिक्सन या शब्दा गाकत भग्नाम् पान और जिलाई ज्यायीमाल इ-काहि माठिया एखन। है है। ये व्याप्तिन कर्षित्य है अप्राप्तिक पित्र व्यायकी कार्यक्री जारा- व्यार भग्नात्रम्पाणात् यर्गातकात्वरः या विष भग्रिक्षण्य नामा नम्म प्रमान यर्भिक्षण कार्यावलीय देभर उत्रावकीर क नग्र एर्यन गिरिय किटि एकल युव्यक्ष कर्डा 5 मक्टि एकल जिन धानाइ-कार्यक्री ज श्रीलंड नाम्योक अदि कर्वात, यात्रम — उक्र -

यत्रक्रम्, विद्यालग्न विश्विक अम्रम् यशायावर त्या भग्नायक मार्यकार भीबेक्द्रवाः अर्थाङीय वा देणारि। व्याकि कार्यक्री ठास अयक छात र्वा नियायं निय असे यास्रीयक वास श्ला नियान्त कर्षाः इति। माठ्याकर यश्रम्भकर काम् वर्षा णिलका भाषाल रख । असास्नोय-अगिक्षम वात्र मार्थ- त्यो - अयमय-1993 1974 - LONSERON - LONSERON - 1914 BELLE किरिया एउसा रस । अर्थि भार्रियानकाल कर्माला वलाकालीन र्डे रिकार्ट- मार्गरे कहा रसना

1200 2- (2021 2- 1200 2-(अन्तर्भाष्ट्रीश्वर्यन् A. क्रिजेशिड्य- अस्पिक विमान है जिल्लाकारीर नाम - अर्हन मारा छ-अश्मित (कल्पेश- ग्राय- - साविते-. आम्याञी- बराविष्ठालग्न- 1 ७ विष्डालक्षित्र नाम अवश्विकाना-या हड़ा- जारियाडी यशाय प्राण्या - या करी- श्रीकरी-万0 8 रियालकर नाम => मिल्रक जन द्यार्थिक



॥ वर्षावएक सर्वा- विष्णुक माम्यस्क

Bo अन्नजाति अन्य अन्नियाला स्किट्क

1 किन्जिक्किक दिएकार-

डे यश्यात ट्यक्टि

भारत्य शेषट-

3 स्पर्टा कास्मिट- उत्र ग्रीये- याता याता । कार्कीय- प्राप्ति श्रीयाद- कार्या कार्कार्य- प्राचा म् कार्टी से कि साम करें । ते वारित क्यू विषयिक क्या करें व वर स्टिन क्रिक वार्टी व्यादेश क्या अस्ति क्या करें स्टिन क्रिक वार्टी व्यादेश साम क्रिक साम क्रिक स्टिन क्रिक

### विश्वाम्

प्राप्त निर्मात निर्म निर्मात निर्मात निर्मात निर्मात निर्मात निर्मात निर्मात निर्मात

### ज्ञिम्नीन ही-

जिन्द्रीह अस्त्रीत्र क्षेत्र क्षिण अस्त्र न्याहित । भारत निर्माद्धन कर्षण । अस्त्र वर्षाद्धन कर्षण । अस्त्र वर्षाद्धन कर्षण । जिन्द्र क्षिण अस्त्र अस्त्र अस्त्र । जिन्द्र क्षिण अस्त्र अस्त्र ।

### ° उमा अंग

जिन्द्रा मुक् अति अविका मित्र मित्र

### CZ (28) (9-

#### श्वार अस्त

या- काया- काय- कराउं- हें आर- गावर- कराउं-भारत विकान करिन वर- हिलाउं- सार्श्वा है भारत किल्य- करिन वर- हिलाउं- सार्श्वा है भारत किल्य- करिन वर- हिलाउं- सार्श्वा है भारत किल्य- करिन कराउं- हिलाउं- सार्श्वा है

### शिलारीला

#### 40217

खरातः वसः अर्थन्यक्तिकातः अरेश्येन करंतः। कार्केरः याताः प्रययः करायातः ययतः क्रियाः कार्बेरः लायाः ययः विद्याः अन्यियः। ालध्यन

लियान रेल जात्र निर्दे विश्वित विश्वि

आउराह- के प्र- अस्टिक- समाके- करें हिला । नम्हें सारा । नम्हें अर्थ अर्थ राष्ट्र सार्थ रेपाल सारा । नम्हें अर्थ अर्थ सार्थ सार्थ सार्थ सारा । नम्हें अर्थ अर्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सारा । नम्हें अर्थ अर्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सारा । नम्हें

3 क्विनी- यथसीर यन्।

ार अर्थे कि नामारक्ष स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान

सायश्चिक क्षियं अधिक हुन यहि। [!!

रमाय अवेष्ट्रस्टिया हा अमा जिलाये त्रिक लगुडा 11 जिलें वे अमा जिल्लाये त्रिक्या का का क्षीय का का क्षीय का का क्षीय का क्षीय का का क्षीय का का क्षीय का क्षीय

## 4 Lodal antogod

निष्णु अद्यान १ अला ।

### श्रिक-चिन्न निक्ष- यहा- यहा- यहा- यहा-

- र्मे क्रिक्ट काला हात्र कार्य कार्य निश्चित वार्य असार्याभीत न्यायाद शिक्ष वित् वार्य कार्य आर्थिक असिर्यायाभीत रेगियाद शिक्ष वित्र कार्य कार्य
- काया- शास्त्र- विक- अर्- अत्याकाय- याक- ग-त्यायाट- युटल- अर्- मग्रेक्ष्याय- व्यक्त- याक- ग-मिं क्रिल- क्रांचा- रात- रावित्र- युरा- मग्रेक्याय

### ह गरी सम्राप्त म्लामल

प्राचा कार्य त्यामा आक कार्य के कि दिशार गर्न रक्षा अम्ड मार जान जाई आहे होरे कार्या प्राचित स्वासाम आक गर्म

- त्रिक्ट मार्थिट कार्थ कार्थ । जार सहित होत्र होश्य लाखा यह होत्रमार्थ होर्थ हार्थ । जार सहित होर्थ होश्य लाखा यह होर्थ होर होर्थ होर होर्थ होर होर्थ होर होर्थ होर्थ
- किलाहै- जार कार्य कार । (1) हिलाहै जार कार कार कार कार कार कार
- ति अन्ति अपार व्याप्ति व्यक्ति अपार वित्य ।
- VI काला कार्खर काल किल्रिट यहि अश्यात्र आक अरल हार कार्खर व्यक्ति अर्थ स्वाराज आक अन् अर्थाषु कार्य स्वाराजीय प्राण्य यहि प्रव्य स्वाराज स्वाराजीय प्राण्य

मग्रह्माता हे- (ल्यु कि हो) का भूरं

Archana mahata

न्निकारीय गाए करकाकरत-८ एनमा भाषा कि १ यद्याः आराट-ह यहि काराम डे মল্লিক এক उ कान-काख- यह र य कान क्या ए- यह र 4. (हरूर व्यतील- भाष्ट्र। 4 विषालकः गन्नकः मिल्लक- अन्धा- (सार्याभक- विप्रालग्न- । रिग्रीलिय- भारा- किलाय- स्परीहा- डे आसि (इ. १८) विश्व- व्यक्तिय- क्रील- शाय- ड 25 on हम व्यक्तिन क्राल on si-द्विश्वीरे शिजन्यरे के कि PROME BLUE 3 ह वाह्याय कि यह का मग्र वाला लाज चार् स्ट (आवायाहार् ) यह नगेत-। विकित्न कि द्वारात द्वारा दे => विशे कि खिला रामार राह-। 10 विश्व त्यान अशति केप्य लाश डं. लाउं धराक गाउ एकाशरं यथाय वयाता । किंत हार्य शर्य यह यह यह ।



POURE 10

न स्रोडि लामनारं प्रसा- सादाव- रात्रीहिप्यहिर्हित्य =) यक्ष- व्यक्तिन- रेक्टल- आर्य-। इ सीर्य- प्रमान् साराए- समय सारा- इसे ल लाहा- । => र्या न्या नायान विविधित र्युल जाया। 3 rel sil- 140 - sule 5 => str - stry- site box-1 त् अराउं- वस्यं- त्याल- कत्- इ => 12/2- BICH 3 कु जार वर्षा वर्ष न यह के कि भारत । =) र्जा क्रियां रिक्राल- याक-। ह अर्थि- उत्प्रैल- जाता- लग्यानामार्थ- अर्थे के अअधिक भारतन। => गा गा कार्य अमेश्य प्राथम । र् क्याना रूसे य प्रमुखिं ३ मडे विश्व गार्थ । => .3 such super sur a ce ul 8 सरमाहित्य आला लामाईमा करिं। => 4/2-61/M- (FIMI) ALZ-1 स्वलं के अजि- राश- थिरे कि थिलंगी उ => इंद्रा तक राग्ने या प्राप्त नागाने नागा शिक्षित्र = याधात्रक- त्यार्वत- त्यार्वत-=> भूक नाम्निष्ट- एस यहार विभि-1

ने क्रिका था ग्रही सक्त क्रिकारक राज डे या मिहतायिक = यान कराकिकरान डे र यहा राज्य कारा विद्ना => बिर्श आहे ग्राह्मारा 12 कार्क क्षान अंग्रेश- क (के-=> आग्र- भीड्यका- 1 3 वस्ति अवर अधार अधार- ड => अस्य भक्ता- लाला नम्। वर वनान दल यम गा। 7 DEL- PLANCE- DL STUCCE CARDE THIST - 3 => प्रा- व ल्यानाउं- यहिं- त्यानाउं करा- यस्त्री- उरी- ग्र-। 5 यहीं एलए अपनि मा ? =) शुन प्रभावि एए प्राप्त (क्लिन एकान्कर्ड-। ह अंगः अर्थारं स्पन्त लाइ कि स्टेट आदे। => अधिक जलाए मादः, जीवार-कारिए मादः, देश्य त्यादि हैट्ट (स्प्रिंग्ट) मारि ष्णिये ने के स्पत्य यान कार्य नार्य निर्देश =) वाल- येक्ष्यमिक- स्ट्रा- ज्यात- वियात- वाल- वलल-कार एम । अध्या राल नाट्य यह तम तम् (मल एकका वर्ष कार्क तरह की ल हिंग निकार । ह वार्ड अधिष्ट्रक काप्य यहासीर लाप कि यह डे => कार्टि खलाइ अतक हिंग्डा क्लिन । वर्ग स्त (अ अम सिक- कालाविक- रियाला) री राष्ट्र कार्याः प्रणापे- एन्टिन सम्मानः ? => अर्वेक्षाउं वातः सका रायः । आया वेषास् व्याह्म वार्षा 10 सिंहा ह्या हार्ये साहट कार्य कार्य कार्य => (अन्ते उद्गातं रिकेत्य म्याप्याप्यापास क्याप- इतं वर्दाल एस् विवेषः उम्। य त्यास्थादिनं र्याह र्ये।

4 अरमिरिएई अल्टिक यक कथन -

ि विविधार ग्राय-रिक- डे

क्र अश्चिम थाडाव-

है वि कर्म हायह लाख डे

कि रिक्न में हिर्दे सहारे- ।

3 व्यापन लाखित याखा ड

के और हाला अधिन कड़ि। मायंत यहारा- |

1 क्षाल एन एन एक कि का कि ना

ने जाता श्वार क्रि मुद्दीस कर ना । लाल हाल ।

15/67

क्रवा मामस्म (कर्मनीक) जवड बीहैं. CAPONT (SB व्यिक्षीयीय नाम - अठवा आराठ-4/20 NOSIT - 1130 कलल्य पात्र - सावलं लक्षम्यात्री भराविष्ठ रिकाना- - माठमे- लग्रम्मायायायायाया -सावने- मूर्केत्र नित्रलिधिए लक्षिपाइ एउडि करा सिंध वसाल्य लक्षन अहिं (5- ESPA, 4-SAGIA, 3-GA, र विशिष्टि निर्देश १- अवस्थित हिनका

o क्लिक्साउपूर्य स्थारीय-स्थार

० लिक्सारीय यथयोशि यथकियश्री १ ५ ३ ५ १

अठकार करी अठमा । भक्षात्रात्र आवेद्यावेष-इर्ट्डाय

5 4321

० स्था - यथा स्थाउ - हिएला - यथा ०

54351

(यह लाहनी महा = यही का

54351

० यहाउती. त्यक- विक्कित्सिक- व्यो- २ त ३ ई 1

o निर्श्वला पूक् हिमडा० शाबुद 5 43 र 1

30 गर् एक मार्ट निर्म निर्म

(त्रश्नानी- कडेंगे-) अश्रेष्ठका माराडे- (ध्युके) स्था ११४

(40mil 2000 05 3050

(अर्यक्र भ-

Arehara mahata